जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

17 अक्टूबर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के प्रो जान वैन ड्रिएल ने जामिया में "वर्तमान परिदृश्य में एसटीईएम शिक्षा के अवसर" पर विस्तार व्याख्यान दिया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय के शिक्षक प्रशिक्षण और अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को आईएएसई के नए हॉल में "वर्तमान परिदृश्य में एसटीईएम शिक्षा के अवसर" पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। विभाग के निमंत्रण पर, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के प्रो. जान वैन ड्रिएल ने व्याख्यान दिया, जिसमें आज की तेजी से विकसित होती दुनिया में एसटीईएम शिक्षा के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया गया।

यह उल्लेखनीय है कि मेलबर्न विश्वविद्यालय ने 2 महीने पहले नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में अपना केंद्र स्थापित किया है, जिसका नाम मेलबर्न ग्लोबल सेंटर है। 14 अक्टूबर को एसटीईएम शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला के लिए एक संकाय सदस्य और शोधार्थियों को उक्त केंद्र में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम के क्रम में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आईएएसई में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक डॉ. एरम खान के गर्मजोशी वाले स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने अतिथियों, प्रो. ड्रील और मेलबर्न विश्वविद्यालय की रणनीतिक सलाहकार सुश्री जूही अहमद को प्रशंसा और सम्मान के रूप में शॉल, स्मृति चिन्ह और पौधे देकर सम्मानित किया। संकाय की ओर से हाल ही में प्रकाशित पांच पुस्तकें भी अतिथियों को भेंट की गईं। यह सत्र शिक्षा संकाय की डीन प्रो. सारा बेगम और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के टीटी और एनएफई विभाग की प्रमुख प्रो. जेसी अब्राहम की सम्मानित उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. जसीम अहमद और प्रो. वीरा गुप्ता द्वारा सहजता से कियाम गया ।

अतिथि वक्ता प्रो. जान वैन ड्रील, मेलबर्न विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में विज्ञान शिक्षा के प्रोफेसर और गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा समूह के सह-नेता हैं। उन्होंने एसटीईएम शिक्षा की अपनी गहन खोज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उन्होंने एसटीईएम क्षेत्रों की गहन खोज की है, भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने एसटीईएम शिक्षा को लागू करते समय ऑस्ट्रेलिया के पाठ्यक्रम में सक्रिय अधिगम की भूमिका और परीक्षा प्रणाली की चुनौतियों पर बल दिया। उनकी बातचीत फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के युग में एसटीईएम शिक्षा के महत्व पर केंद्रित थी।

प्रो. ड्रिएल ने भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम के बीच समानताओं का उल्लेख किया, पाठ्यक्रम की सामग्री और शिक्षकों की क्षमता के महत्व पर बल दिया। इसके अतिरिक्त एसटीईएम शिक्षा को बढ़ाने के लिए, शिक्षक प्रशिक्षण एक ऐसा पहलू था जिस पर प्रो. ड्रिएल ने प्रकाश डाला। कुशल शिक्षक भविष्य की पीढ़ियों को स्कूल के बाहर संबंध बनाने और सामग्री अधिगम के दौरान समुदाय से जुड़ने में सहायता करेंगे। उन्होंने आगे एसटीईएम शिक्षा के वैश्विक दृष्टिकोण और उन शोध क्षेत्रों के बारे में बात की जिन्हें अभी भी खोजा जाना है।

अपने व्याख्यान के उपरांत प्रो. जेसी अब्राहम ने दर्शकों के साथ बातचीत की, मेलबर्न विश्वविद्यालय के साथ सहयोग के अवसरों पर चर्चा की और एसटीईएम शिक्षा को मजबूत करने में शिक्षक प्रशिक्षण की

महत्वपूर्ण भूमिका पर रोशनी डाली । उनकी अंतर्दृष्टि ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और शिक्षकों के पेशेवर विकास पर मूल्यवान दृष्टिकोण पेश किए।

प्रो. जसीम अहमद ने एसटीईएम शिक्षा पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि प्रो. ड्रिएल के अनुसार, एसटीईएम शिक्षा 20 वर्षों से अधिक समय से ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग रही है, जबकि भारत में इसे हाल ही में शुरू किया गया है। प्रो. अहमद ने एसटीईएम शिक्षा में प्रगति और चुनौतियों के बारे में अपना ज्ञान साझा किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में उल्लिखित एसटीईएम शिक्षा के महत्व और पाठ्यक्रम में इसके संभावित कार्यान्वियन पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने यह भी चर्चा की कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 की शुरूआत के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली वैश्विक मानकों के अनुरूप हो रही है।

कार्यक्रम में विभाग के संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने उत्सुक श्रोताओं के रूप में भाग लिया। उन सभी ने अतिथि वक्ता से सक्रिय रूप से दिलचस्प सवाल पूछे और एसटीईएम शिक्षा और अंतःविषय दृष्टिकोणों पर अपने ज्ञान के क्षितिज में विस्तार किया । सक्रिय श्रोता के रूप में उनकी उपस्थिति ने विस्तार व्याख्यान को सफल बनाया।

कार्यक्रम का समापन विभाग की शोधार्थी सुश्री शाइस्ता तनवीर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम से शोधकर्ता और छात्रों को एसटीईएम शिक्षा की संभावनाओं को गहराई से जानने की नई प्रेरणा मिली ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया